अनुक्रम

दो शब्द/5

1. एक भिन्न आस्वाद का उपन्यास : 'रेत समाधि'/9
प्रो. रामकली सराफ

2. अकथ कहानी प्रेम की : 'रेत समाधि'/19
डॉ. शिवचंद प्रसाद

3. रेत समाधि : पीठ, धूप और हद-सरहद के पार गूँजती आवाज़/32
डॉ. रमेश कुमार

4. कथा-परंपरा से इतर एक नई परंपरा की शुरुआत : 'रेत समाधि'/46
डॉ. जितेश कुमार

5. अपनी कहानी कहती एक 'अ' कहानी-रेत समाधि/52
सुधा जुगरान

6. देह और देश की सरहदों को नकारती एक काव्यात्मक कथा : 'रेत समाधि'/59
डॉ. शत्रुघ्न सिंह

7. 'रेत समाधि' उपन्यास में जादुई यथार्थवाद/67
डॉ. शगुफ़्ता नियाज़

8. जीवन और यथार्थ की सरहदों की कथा : 'रेत समाधि'/75
डॉ. भावना मासीवाल

9. मूर्त-अमूर्त, हाल-माज़ी के तटबंधों के बीच लहलहाता किस्सों का रेत समुद्र : 'रेत समाधि'/87
डॉ. विमलेश शर्मा

10. रेत समाधि : हर सरहद लाँघती औरत की कहानी/93
डॉ. उमा मेहता

11. रेत समाधि उपन्यास का समीक्षात्मक अनुशीलन/99
डॉ. प्रीति सिंह

12. रूप कथा में समेकित कई कथाएं : रेत समाधि/107
डॉ. रेशमी पांडा मुखर्जी